असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

24 जून, 2022

सप्तदश विधान सभा — शुक्रवार, तिथि 24 जून, 2022 ई0
षष्ठम सत्र — 03 आषाढ़, 1944(शक)

(कार्यवाही प्रारम्भ होने का समय - 11.00 बजे पूर्वाह्न)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है ।

माननीय सदस्यगण, अब राष्ट्रगान होगा । कृपया अपने-अपने स्थान पर खड़े हो जाएं।

(राष्ट्रगान)

माननीय सदस्यगण, बैठ जाइए, बैठ जाइए ।

(व्यवधान)

यह उचित परम्परा नहीं है, बैठिए । बैठ जाइए प्रह्लाद जी, आपलोग सीनियर हैं । आपलोग पहले बैठ जाइए ।

माननीय सदस्यगण, सप्तदश बिहार विधान सभा के षष्ठम सत्र ...

(व्यवधान)

आपकी कोई भी बात प्रोसीडिंग में नहीं जायेगी । आप बैठ जाइए । आप वरिष्ठ सदस्य हैं माननीय सदस्य । सत्यदेव जी, आप वरिष्ठ सदस्य हैं, बैठ जाइए । समय मिलेगा आपको । प्रारंभ होने के समय इस तरह की कोई बात करना अशोभनीय है । बैठ जाइए । माननीय सदस्यगण, नये सदस्य आपको देख रहे हैं । आपकी गरिमा नहीं बढ़ रही है । माननीय सदस्य, अब बैठ जाइए । बैठ जाइए, प्रह्लाद जी । कोई डायरेक्शन नीचे से नहीं, आपलोग बैठ जाइए, अभी आदेश आसन का है, बैठ जाइए । आप बैठ जाइए, कोई विषय नहीं है । यह उचित है ?

प्रारम्भिक संबोधन

माननीय सदस्यगण, सप्तदश बिहार विधान सभा के षष्ठम सत्र के शुभारंभ में मैं सभी का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ । वर्तमान सत्र में कुल पांच बैठकें निर्धारित हैं जिसमें वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी के लिए एक दिन, राजकीय विधेयकों के लिए दो दिन, विनियोग विधेयक तथा गैर सरकारी संकल्प के लिए एक-एक दिन निर्धारित है ।

माननीय सदस्यगण, लोकतांत्रिक मूल्य सदा से हम भारत के लोगों के स्वभाव का अंग रहा है । संवाद से समाधान तक पहुंचना, शासन की स्वच्छंद शक्तियों पर सीमाओं का आरोपण तथा विधि का शासन प्राचीन काल से ही हमारी परंपरा रही है । 75 वर्ष पूर्व जब हमारे यहां संसदीय लोकतंत्र स्थापित हुआ तो यही भाव, यही स्वभाव लेकर हम आगे बढ़े । हमारे लिए संविधान केवल एक पुस्तक नहीं है, बल्कि एक विचार है, हमारी निष्ठा का प्रतीक है, पूरा का पूरा जीवन दर्शन है ।

आज जब हम देश की आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, अपने उज्ज्वल अतीत को याद करते हुए हमें उज्जवलतर भविष्य की ओर देखना है । अपनी पद-प्रतिष्ठा के अनुरूप दायित्व को निभाने का प्रयास करना है । अधिकार और कर्त्तव्य के बीच एक संतुलन साधना होगा क्योंकि यदि हमारे अधिकार हैं, तो उसके साथ कर्त्तव्य भी जुडें हैं, और कर्त्तव्य हैं तभी अधिकार भी मजबूत होते हैं । इसीलिए आज पूरा देश एक स्वर में कर्त्तव्यबोध की बात कर रहा है ।

हम और आप जैसे जनप्रतिनिधि संवैधानिक मूल्यों के भी प्रतिनिधि हैं । अतः हमें अपने मन, वचन और कर्म से इन मूल्यों का न केवल पालन करना है, बल्कि जन-जन तक इस चेतना को लेकर भी जाना है ।

माननीय सदस्यगण, जिस बिहार की मिट्टी से हम और आप जुड़े हैं, उसकी गौरवगाथा कोई क्या कहे ? क्या-क्या कहे ? कितना कहे ? जितना कहेंगे, कहने को उतना ही शेष रह जाता है । इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि अपनी गौरवशाली विरासत को संजोते हुए, उसमें अपना सार्थक योगदान भी करें । हमने बिहार विधान सभा भवन के शताब्दी वर्ष को एक मील का पत्थर मानते हुए अपनी विरासत को जन सामान्य तक ले जाने के लिए विधान सभा परिसर में एक डिजिटल संग्रहालय बनाने का विचार माननीय मुख्यमंत्री जी से साझा किया । मुझे बेहद खुशी है कि वे न केवल इस विचार से सहमत हुए बल्कि हर प्रकार से सहयोग करने का विश्वास दिलाया और इसमें सभी माननीय सदस्यों के अच्छे किये हुए उत्कृष्ट कार्य का भी विवरण रहेगा, जो ऐतिहासिक होगा । आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि इस दिशा में काफी तेजी से काम चल रहा है ।

इसी प्रकार हमारी सरकार एम.एल.ए. हॉस्टल तथा अतिथिशाला के निर्माण में भी सराहनीय सहयोग दे रही है जो विधायकों के हित के लिए भी आवश्यक है ।

माननीय सदस्यगण, आज देश में विधायिका को अधिक से अधिक समावेशी और जनोन्मुखी बनाने की बात हो रही है ।

माननीय लोकसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में उत्कृष्ट विधायिका के मानदंड निर्धारित हो रहे हैं । कर्नाटक विधान सभा के अध्यक्ष के सभापतित्व में उत्कृष्ट विधायिका के पैमाने तय करने के लिए एक समिति बनायी गई है, जिसमें मुझे भी शामिल होने का मौका मिला है ।

मेरी हार्दिक इच्छा है कि उत्कृष्ट विधायिका के जो भी मानदण्ड निर्धारित हों, उन सभी मानकों पर हमारे बिहार की विधायिका श्रेष्ठतम साबित हो और ऐसा होना लाजिमी भी है, क्योंकि बिहार लोकतंत्र की जननी है । इतिहास गवाह है कि लोकतंत्र का विचार और व्यवहार यहाँ गढ़ा गया तथा दुनिया ने उसे आत्मसात किया। जिस महान सदन में हम आप बैठे हैं वहाँ भी एक से बढ़कर एक महापुरुषों ने लोकतांत्रिक मूल्यों एवं प्रक्रियाओं का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है । हमें उस विरासत को आगे बढ़ाते हुए राज्य और देश की जनता के सामने विधायी कार्य प्रक्रिया का एक उम्दा उदाहरण पेश करना है । इस दिशा में बढ़ते हुए हमने भी अपने यहाँ उत्कृष्ट विधायक चुनने का विचार रखा है । एक उत्कृष्ट विधायक के क्या गुण होने चाहिए उसके लिए क्या-क्या मानदण्ड हों, यह निर्धारित करने के लिए आप सभी के सुझाव भी अपेक्षित है ।

आने वाले दिनों में विधान सभा भवन शताब्दी स्तम्भ का उद्घाटन भी होना है, जिसके उद्घाटन के लिए आप सभी के भावनाओं के अनुकूल भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के आगमन के लिए हमने आमंत्रण भी भेजा है । इस कार्यक्रम हेतु भी आपके सार्थक और रचनात्मक सहयोग की उम्मीद करता हूँ ।

माननीय सदस्यगण, पाँच कार्य दिवसों का यह सत्र अपने स्वरूप में भले ही छोटा है, लेकिन गुणात्मक रूप से यह व्यापक महत्व का है । अतः हम सबको मिलकर इस सत्र में मिले समय का सकारात्मक सदुपयोग करते हुए जनकल्याण की दिशा में आगे बढ़ना है । हमें यह भाव मन में लेकर चलने का प्रयास करना है कि-

''आये हो निभाने का जब किरदार जमीं पर,
कुछ ऐसा कर जाओ कि जमाना मिसाल दे ।''

अध्यासी सदस्यों का मनोनयन

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम-12(1) के अधीन मैं निम्न सदस्यों को सप्तदश बिहार विधान सभा के षष्ठम सत्र के लिए अध्यासी सदस्य मनोनीत करता हूँ :-

1. श्री प्रेम कुमार	–	स0वि0स0
2. श्री नरेन्द्र नारायण यादव	–	स0वि0स0
3. श्री अवध बिहारी चौधरी	–	स0वि0स0
4. श्रीमती ज्योति देवी	–	स0वि0स0
5. श्री मो0 आफाक आलम	–	स0वि0स0

कार्य–मंत्रणा समिति का गठन

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम–219(1) के अधीन मैं सप्तदश बिहार विधान सभा के षष्ठम सत्र के लिए कार्य–मंत्रणा समिति का गठन निम्न प्रकार करता हूँ :–

1. अध्यक्ष, बिहार विधान सभा	–	सभापति
2. श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री	–	सदस्य
3. श्री तारकिशोर प्रसाद, उप मुख्यमंत्री	–	सदस्य
4. श्रीमती रेणु देवी, उप मुख्यमंत्री	–	सदस्या
5. श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री, संसदीय कार्य	–	सदस्य
6. श्री श्रवण कुमार, मंत्री, ग्रामीण विकास	–	सदस्य
7. श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता, विरोधी दल	–	सदस्य
8. श्री अजीत शर्मा, स0वि0स0	–	सदस्य

विशेष आमंत्रित सदस्य

1. श्री जीतन राम मांझी	–	स0वि0स0
2. श्री महबूब आलम	–	स0वि0स0
3. श्री अखतरूल ईमान	–	स0वि0स0
4. श्री राम रतन सिंह	–	स0वि0स0
5. श्री अजय कुमार	–	स0वि0स0
6. श्रीमती स्वर्णा सिंह	–	स0वि0स0

नियमानुसार अध्यक्ष इस समिति के सभापति तथा सभा सचिव इसके सचिव होंगे ।

टर्न-2/शंभु/24.06.2022

अध्यक्ष : सभा सचिव ।

सभा सचिव : महोदय, सप्तदश बिहार विधान सभा के चतुर्थ सत्र एवं पंचम सत्र में उद्‌भूत तथा बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों द्वारा यथापारित निम्न 11 (ग्यारह) विधेयकों का विवरण सदन पटल पर रखता हूं जिस पर महामहिम राज्यपाल द्वारा भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत् अनुमति प्रदान की गई है :-

महामहिम राज्यपाल द्वारा अनुमत विधेयक का विवरण

क्रमांक	विधेयक का नाम	अनुमति की तिथि
1.	बिहार विनियोग विधेयक, 2022	16.03.2022
2.	बिहार विनियोग (संख्या-2) विधेयक, 2022	30.03.2022
3.	बिहार कराधान विधि (समय-सीमा प्रावधानों का शिथिलीकरण) विधेयक, 2022	01.04.2022
4.	बिहार शहरी आयोजना तथा विकास (संशोधन) विधेयक, 2022	01.04.2022
5.	बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (संशोधन) विधेयक, 2022	01.04.2022
6.	बिहार कृषि विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2022	02.04.2022
7.	बिहार पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2022	01.04.2022
8.	बिहार राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, 2022	02.04.2022
9.	बिहार नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2022	01.04.2022
10.	बिहार मद्यनिषेध और उत्पाद (संशोधन) विधेयक, 2022	01.04.2022
11.	बिहार निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2021	28.04.2022

वित्तीय कार्य

अध्यक्ष : प्रभारी मंत्री, वित्त विभाग ।

श्री मंगल पाण्डेय, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, भारतीय संविधान के अनुच्छेद-205 के अनुसरण में बिहार विनियोग (संख्या-2) अधिनियम, 2022 द्वारा स्वीकृत राशि के अलावे वर्ष 2022-23 में जो खर्च होने की संभावना है उसके संबंध में, मैं प्रथम अनुपूरक व्यय विवरण उपस्थापित करता हूं ।

शोक प्रकाश

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, कतिपय जननायकों के निधन की सूचना मिली है, जिनके बारे में शोक प्रकट करना हमारा कर्त्तव्य है ।

स्वर्गीय नन्द किशोर प्रसाद

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री नन्द किशोर प्रसाद का निधन दिनांक 13 अप्रील, 2022 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 82 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय प्रसाद भोजपुर जिला के राजपुर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1977 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे । वे वर्ष 1998 से 2004 तक बिहार विधान परिषद् के भी सदस्य रहे थे । वे मिलनसार एवं मृदुभाषी व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय नवल किशोर राय

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री नवल किशोर राय का निधन दिनांक 16 अप्रील, 2022 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 62 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय राय सीतामढ़ी जिला के पुपरी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1998 में बिहार विधान सभा के सदस्य तथा सीतामढ़ी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1991, 1996 एवं 1999 में लोकसभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे । वे कुशल राजनेता एवं समाजसेवी के साथ-साथ मिलनसार एवं मृदुभाषी व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय सीताराम दास

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री सीताराम दास का निधन दिनांक 22 अप्रील, 2022 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 84 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय दास कटिहार जिला के कोढ़ा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1977, 1990 एवं 1995 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे । वे

बिहार सरकार में मंत्री भी रहे थे । वे मिलनसार, मृदुभाषी एवं कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्ति थे। हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय सुरेश कुमार मिश्र

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री सुरेश कुमार मिश्र का निधन दिनांक 01 मई, 2022 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 74 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय मिश्र पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) जिला के सुगौली विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1985 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे । वे मिलनसार, मृदुभाषी एवं कर्मठ व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय त्रिभुवन सिंह

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री त्रिभुवन सिंह का निधन दिनांक 18 मई, 2022 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 80 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय सिंह सीवान जिला के जिरादेई विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1985 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे । उन्होंने भारतीय सेना में रहकर अपनी भूमिका का निर्वहन किया था । वे कुशल राजनेता एवं समर्पित देशभक्त के साथ-साथ मिलनसार, मृदुभाषी तथा व्यवहार कुशल व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय रामदेव वर्मा

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री रामदेव वर्मा का निधन दिनांक 22 मई, 2022 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 75 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय वर्मा समस्तीपुर जिला के विभूतिपुर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1980, 1990, 1995, 2000, मार्च, 2005 एवं नवबंर, 2005 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे । वे प्रखर साम्यवादी नेता थे । उन्हें विधायी

प्रक्रियाओं की अच्छी जानकारी थी । वे मुखर वक्ता भी थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय डॉ0 युगल किशोर प्रसाद

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य डॉ0 युगल किशोर प्रसाद का निधन दिनांक 26 मई, 2022 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 78 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय प्रसाद गया शहर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1972 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे । वे प्रख्यात चिकित्सक के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भाग लेते रहते थे । वे मिलनसार एवं मृदुभाषी व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय प्रशांत कुमार

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री प्रशांत कुमार का निधन दिनांक 30 मई, 2022 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 60 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय कुमार संयुक्त बिहार-झारखंड के गोड्डा जिला के पोड़ैयाहाट विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1991 के उप-चुनाव में एवं वर्ष 1995 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे । पत्रकारिता में उनकी गहरी अभिरूचि थी । वे मिलनसार एवं मृदुभाषी व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय शिवनन्द प्रसाद सिंह

बिहार विधान परिषद् के पूर्व सदस्य श्री शिवनन्दन प्रसाद सिंह का निधन दिनांक 08 जून, 2022 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 90 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय सिंह वर्ष 1980 से 2004 तक बिहार विधान परिषद् के सदस्य रहे थे । वे प्रधानाध्यापक भी रहे थे । साथ ही वे एक कुशल प्रशासक भी थे । शिक्षा

के क्षेत्र में उनकी गहरी अभिरूचि थी । वे मिलनसार एवं मृदुभाषी व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय योगेन्द्र पाण्डेय

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री योगेन्द्र पाण्डेय का निधन दिनांक 08 जून, 2022 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 88 वर्ष की थी।

स्वर्गीय पाण्डेय पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) जिला के गोविन्दगंज विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1985 एवं 1990 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे । वे कर्मठ, मिलनसार एवं मृदुभाषी व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

स्वर्गीय प्रोफेसर असलम आजाद

बिहार विधान परिषद् के पूर्व सदस्य श्री प्रोफेसर असलम आजाद का निधन दिनांक 08 जून, 2022 को हो गया । निधन के समय उनकी आयु लगभग 74 वर्ष की थी ।

स्वर्गीय आजाद वर्ष 2006 से 2012 तक बिहार विधान परिषद् के सदस्य रहे थे । वे साहित्य, कला एवं समाजसेवा में विशेष रूचि रखते थे । वे कर्मठ, मिलनसार एवं मृदुभाषी व्यक्ति थे । हम उनके निधन से दु:खी हैं ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

अध्यक्ष: अब हमलोग एक निमट तक मौन खड़े होकर सभी दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करें ।

(एक मिनट का मौन)

मैं अपनी तथा संपूर्ण सदन की ओर से शोक संतप्त परिवार के पास संदेश भेजवा दूंगा ।

अब सभा की बैठक सोमवार, दिनांक 27 जून, 2022 को 11.00 बजे पूर्वाह्न तक के लिए स्थगित की जाती है ।